POSTAL SERVICE
प्यारे पापा

पापा,

जल्द ही मिलूँगा मैं, आप से और माँ से। मेरा नाम सोच लिया है ना?
अच्छा-सा सोचना... क्योंकि जो भी मिलेगा, आप दोनों से ही मिलेगा।

मैंने अभी तक अपना चेहरा भी नहीं देखा।
पर आपका और माँ का देखा है।
पता है... मुझे भी उतना ही ख़ूबसूरत मिलेगा।
क्योंकि जो भी मिलेगा, आप से ही मिलेगा।

माँ को हर दिन पौष्टिक आहार चाहिए।
ज़रा ध्यान रखना पापा।
क्योंकि उन्हें सेहत, ताक़त और अच्छा स्वास्थ्य आप से ही मिलेगा।

मालूम है, आप दोनों दिन-रात मेहनत कर रहे हो।
मेरे भविष्य के लिए अभी से सोच रहे हो।
काश... आपको अभी से मेरी कुछ हेल्प मिल पाती।
बस कुछ साल रुक जाओ पापा।
लेकिन तब तक तो जो भी मिलेगा, आप ही से मिलेगा।

जब मैं दुनिया में आऊँ।
डॉक्टर, आशा दीदी सब आपको मेरे टीकाकरण के बारे में बताएँगे।
उनकी बात अनसुनी मत करना।
और ये मत सोचना कि टीका लगेगा तो दर्द होगा या बुख़ार आएगा।
उसी से तो मुझे हर ख़तरनाक बीमारी से बचाव मिलेगा।
सही समय पर हर टीका लगवाना।
तभी तो मुझे स्वस्थ और अच्छा जीवन जीने का मौका मिलेगा।
और ये मौका भी मुझे आप से ही मिलेगा।

और हाँ...
थैंक यू, पापा।

बहुत ज़िम्मेदारियाँ आ जाएँगी आपके कंधों पर।
कोशिश रहेगी कि ज़्यादा तंग न करूँ।
कभी करूँ... तो डाँट देना।
क्योंकि सही रास्ते पर चलने का सबक भी तो आप से ही मिलेगा।

आपका प्यारा, या प्यारी...
ये तो बाद में ही पता चलेगा।

UNDP_Zero Dose_LTF-V2 _MP_Size: A4_10 aug 2026